भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

04.12.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1473 का उत्तर

गुजरात के छोटा उदयपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में रेल परियोजनाएं

1473. श्री जशुभाई भिलुभाई राठवा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान गुजरात के लिए विशेषकर छोटा उदयपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में घोषित की गई नई रेल परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) इनमें से अब तक आरंभ की गई परियोजनाओं की संख्या और उनके लिए किए गए बजटीय आवंटन का ब्यौरा क्या है तथा उनके समय पर पूरा करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) उन परियोजनाओं की स्थिति क्या है, जिन्हें अभी तक आरंभ नहीं किया गया है और इन्हें कब तक आरंभ किया जाएगा;

(घ) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि गुजरात में एक बड़ा क्षेत्र अभी भी रेल संपर्क से वंचित है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी परियोजना-वार ब्यौरा क्या है और इन परियोजनाओं के संबंध में कार्य कब तक आरंभ होने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

S.K

गुजरात के छोटा उदयपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में रेल परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 04.12.2024 को लोक सभा में श्री जशुभाई भिलुभाई राठवा के अतारांकित प्रश्न सं. 1473 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृत/निष्पादन राज्य-वार/निर्वाचन क्षेत्र-वार नहीं किया जाता हैं, बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं/संसदीय निवार्चन क्षेत्रों के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फारवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

गुजरात राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पश्चिम रेलवे और उत्तर पश्चिम रेलवे जोनों में आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित रेल परियोजनाओं का जोन-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, गुजरात राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 30,826 करोड़ रुपये लागत की 2,947 कि.मी. कुल लंबाई की 42 रेल परियोजनाएं (6 नई लाइन, 22 आमान परिवर्तन और 14 दोहरीकरण) योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिसमें से 826 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 9,336 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है। इस कार्य की स्थिति का सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपये में)
नई लाइन	6	537	105	3332
आमान परिवर्तन	22	1634	671	4655
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	14	776	50	1349
कुल	42	2947	826	9336

गुजरात में महत्वपूर्ण उच्च गति बुलेट गाड़ी परियोजना पर निर्माण कार्य ने गति पकड़ ली है। अब 100 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा हो चुका है। गुजरात राज्य में पड़ने वाली इस

परियोजना के लगभग 352 कि.मी. खंड में से 225 कि.मी. के लिए मार्ग सेतु/वायाडक्ट का निर्माण भी पूरा हो चुका है।

पश्चिमी समर्पित मालभाड़ा गलियारा भी गुजरात से होकर गुजरता है। पश्चिमी समर्पित मालभाड़ा गलियारा का लगभग 565 मार्ग कि.मी. गुजरात में स्थित है, जो पश्चिमी समर्पित मालभाड़ा गलियारे की कुल मार्ग लंबाई का लगभग 37% है। गुजरात राज्य में पड़ने वाली पूरी परियोजना लंबाई को कमीशन कर दिया गया है।

रेलवे ने छोटा उदेपुर-धार (157 कि.मी.) नई लाइन परियोजना का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है, जो छोटा उदेपुर निवार्चन क्षेत्र से होकर गुजरती है। अब तक 72 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है। मार्च, 2024 तक 1,382 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है और वित्त वर्ष 2024-25 में इस परियोजना के लिए 200 करोड़ रुपये का परिव्यय उपलब्ध कराया गया है।
गुजरात राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और अन्य निर्माण कार्यों के लिए वार्षिक बजट आबंटन इस प्रकार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	589 करोड़ रुपये/वर्ष
2024-25	8,743 करोड़ रुपये (लगभग 15 गुना)

वर्ष 2009-14 और 2014-24 के दौरान गुजरात राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा इस प्रकार है:

अवधि	कुल रेलपथ कमीशनिंग	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	660 कि.मी.	132 कि.मी./वर्ष
2014-24	2,244 कि.मी.	224 कि.मी./वर्ष (लगभग 02 गुना)

पिछले तीन वर्षों (अर्थात् 2021-22, 2022-23, 2023-24) और चालू वित्तीय वर्ष अर्थात् 2024-25 में गुजरात राज्य में पूर्णत:अंशत: पड़ने वाले 3,791 कि.मी. कुल लंबाई के कुल 49 अदद सर्वेक्षण (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा तीव्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वानिकी स्वीकृतियां, लागत में भागीदारी वाली परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा लागत में हिस्सेदारी, परियोजनाओं की प्राथमिकता, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक परिस्थिति/ परिस्थितियां, परियोजना/परियोजनाओं स्थल में कानून एवं व्यवस्था की

स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना विशेष स्थल के लिए एक वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

रेल परियोजनाओं के त्वरित अनुमोदन और कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे विभिन्न कदमों में (i) गति शक्ति इकाइयां स्थापित करना (ii) परियोजनाओं का प्राथमिकता (iii) प्राथमिकता परियोजनाओं पर निधि के आबंटन में पर्याप्त वृद्धि (iv) फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन (v) विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी (vi) शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव संबंधी मंजूरियों और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को सुलझाने के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकारियों के साथ नियमित रूप से अनुवर्ती कार्रवाई करना शामिल है। इससे वर्ष, 2014 से कमीशनिंग की दर में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

*****

S.K